at the critical stages of crop growth, effective control of weeds, insects/pests and diseases etc. Besides, adoption of soil & water conservation measures, sequence cropping and inter are propogated.

For increasing the production of foodgrains, Centrally Sponsored Programmes viz, Integrated Cereals Development Programmes in Rice/Wheat/Coarsc Cereals Based cropping Systems arens and National Pulses Development Projects are being implemented.

Lowering of foodgrains production target

4006. SHRIMATI CHANDRAKALA PANDEY: SHRI RAJNATH SINGH "SURYA":

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Govemment have set a lower food production target for the year 1998-99 than the target set by the Planning Commission for this period;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) what are the major grains/crops that would contribute significantly in the shortfall: and

(d) the impact of reduction in the target on per capita availability of foodgrains?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) to (d) The target for foodgrains production for the year 1998-99 is under finalisation in consultation with Planning Commission.

Wheat Production

4007. SHRIMATI URMILABEN CHIMAN-
BHAI PATEL: Will the PRIME MINISTER be
pleased to state:

(a) what was the production of wheat in the
last season and how much it was less that the preceding season and the reasons therefor;

(b) how government have planned to overcome the deficit;

(c) whether Government propose to encourage our farmers to produce more wheat; and

(d) if so, what are the incentives announced?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) The production of wheat is likely to be 66.38 million tonnes in 1997-98 as compared to 69.27 million tonnes in 1996-97, thus showing a fall of 2.89 million tonnes. The fall in production of wheat may be attributed to the unseasonal rains and prolonged cloud cover during the months of November and December, 1997 causing delayed sowing of wheat in some areas. It had also led to resowing of wheat in certain other areas resulting in low productivity.

(b) The government has decided to import 1.50 million tonnes of wheat during 1998-99.

(c) and (d) For increasing the production and productivity of wheat in the country, a Centrally Sponsored Scheme viz. Integrated Cereals Development Programme in Wheat Based Cropping Systems/Areas is being implemented. Through this Scheme, incentives are being provided to the fanners on the use of high yielding varieties of seeds, improved farm implements and sprinkler irrigation sets, so as to motivate them to adopt improved crop production technologies. Besides, for the transfer of improved crop production technologies, field demonstrations and fanners' training are also being organised under the Scheme.

Besides to popularise the recently released notified wheat varieties, the Seed Minikit Programme of Wheat including propagation of new technology is also being implemented in the country.

The minimum support price of wheat has been increased over the years to induce the farmers to produce more wheat.

उन्नत किस्म के दुधारू पशुओं का विकास

4008. **श्री बलवंत सिंह रामूवालिया**: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि नैशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा दुधारू पशुओं की दो उन्नत किस्मों का विकास किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इन उन्नत किस्मों के नाम क्या-क्या हैं और उनकी दूध देने की क्षमता कितनी है;

C H(ग) क्या इन पशुओं द्वारा दिए जाने वाले दूध की उत्पादन लागत का भी आकलन किया गया है, और यदि हां, तो वह कितनी है, और

(घ) इन पशुओं को अधिक-से अधिक संख्या में पालने के लिए उन्हें भारतीय किसानों को उपलब्ध कराये जाने के मद्देनजर उनकी वार्षिक उपलब्धता का अनुमान क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमापाल): (क) जी, हां।

(ख) संकर नस्ल के डेयरी पशुओं की दो प्रजातियों नामत:करण स्विस और करण फ्राइज का विकास किया गया है। करण स्विस का प्रति व्यांत औसत दुग्ध उत्पादन 3206 सं 3420 कि. ग्रा. है।

(ग) राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में रखे जा रहे मवेशी मुख्या रूप से परीक्षण कार्य के लिए होते हैं। वर्ष 1995-96 के दौरान संस्थान के डेयरी प्रदर्शन एकक में दुग्ध उत्पादन की लागत 6.90 रु. प्रति लिटर निकाली गई है।

(घ) पशु पालन और डेयरी के काम में लगे किसानों और संगठनों को इन दो संकर नस्ल की प्रजालियों के अतिरिक्त जननद्रव्य प्रजनक सांडों/बछड़ों/गायों और अच्छी किस्म के शुक्राणुओं के रूप में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्याज और आलू का उत्पादन

4009. **श्री बलवंत सिंह रामूवालिया**: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के विभिन्न राज्यों में प्याज व आलू की खेती की जाती है,

(ख) यदि हां, तो राज्य-वार और आलू का औसत वार्षिक उत्पादन कितना है,

(ग) क्या यह भी सच है कि पिछले कई वर्षों के दौरान प्याज और आलू की पैदावार में कमी आई है, और

(घ) यदि हां, तो 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 में कुल कितनी भूमी परप्याज की खेती की गई तथा उससे उक्त भूमि पर प्याज की कितनी पैदावार हुई थी?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) जी , हां।

(ख) वर्ष 1994-95, 1995-96 और 1996-97 के दौरान प्याज और आलू का राज्य-वार उत्पादन विवरण में दर्शाया गया है (नीचे देखिए)

(घ) और (घ) पिछले कुछ वर्षों से प्याज और आलू के उत्पादन में सामान्यतया बढ़ोतरी की प्रवृति दिखाई दी है। और 1996-97 के दौरान प्रत्येक का रिकार्ड उत्पादन हुआ था। वर्ष 1995-96 और 1996-97 के लिए प्याज का क्षेत्र और उत्पादन नीचे दिया गया है। वर्ष 1997-98 के लिए प्याज के उत्पादन के अनुमान तैयार करने का अभी समय नहीं हुआ है।

प्याज का क्षेत्र और उत्पादन

वर्ष	क्षेत्र (000 हैक्टैयर में)	उत्पादन (000 हैक्टेयर में)
1995-96	396	4080
1996-97	410	4429

विवरण

प्याज और आलू का राज्य-वार उत्पादन

(000 **मी. टन में**)

		आलू का उत्पादन	
1	2	3	4
असम	567	505	579
बिहार	1533	1508	1663
गुजरात	530	461	739
हरियाणा	134	210	229
हिमाचल प्रदेश	121	117	117
कर्नाटक	336	340	344
मध्य प्रदेश	620	518	644
महाराष्ट्र	62	79	73
मणिपुर	17	18	17
मेघालय	121	209	208
नागालैण्ड	20	25	30
उड़ीसा	108	87	117
पंजाब	610	796	871
राजस्थान	16	19	25
तमिलनाडु	84	82	70
उत्तर प्रदेश	6821	7466	10702
पश्चिम बंगाल	5559	6258	8472
अन्य	142	148	165
अखिल भारत	17401	18843	25065